

सर पे मटकीया दो दो धरी क्या चाल चले मतवाली लिरिक्स



सर पे मटकीया दो दो धरी,
अरे सर पे मटकीया दो दो धरी,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया।

संग सहलनी उनके संग में,
उनके संग में रे उनके संग में,
राह में मिल गय कृष्ण मुरारी,
क्या चाल चले मतवाली,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया,
क्या चाल चले मतवाली।

कंकर मारे जो मटकी रे फोड़े,
नरम कलैया हमारी मरोड़े,
लूट लूट दहिया खाये बिहारी,
क्या चाल चले मतवाली,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया,
क्या चाल चले मतवाली।

उंगली पकड़ मेरी बहियां मरोड़े,
बहियां मरोड़े रे बहियां मरोड़े,
अरे ले गयो चीर हमारी,
क्या चाल चले मतवाली,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया,
क्या चाल चले मतवाली।

सर पे मटकीया दो दो धरी,
अरे सर पे मटकीया दो दो धरी,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया,
क्या चाल चले मतवाली गुजरिया।

प्रेषक – अमन पंवार।

9098288150

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>